REET 2025 LEVEL 1-2

वंदन बैच

GEOGRAPHY

वन संपदा एवं जनगणना

LIVE 08-02-2025 10:00 AM

वन संपदा

वन संपदा संविधान की समवर्ती सूची का विषय है।

42 वाँ संविधान संशोधन - 1976 के तहत वनों को समवर्ती सूची में स्थान दिया।

नोट :→ 42 वें संविधान संशोधन के तहत 5 विषयों को समवर्ती सूची में जोड़ा गया

① वन ② वन्यजीव ③ शिक्षा ④ नापतौल ⑤ न्यायिक प्रशासन

→ केन्द्रीय वन अनुसंधान → देहरादून (1906)

↳ इसने 4 क्षेत्रीय कार्यालय बनाये → शिमला, बैंगलूर, नागपुर, कोलकत्ता

→ भारत की सर्वप्रथम वन नीति → 1894

→ स्वतंत्र भारत की वन नीति → 1952

→ राज्य मे सर्वप्रथम वन संरक्षण की योजना → जोधपुर रियासत ने 1910 मे बनाई शासक → उम्मेद सिंह

इन्होंने मारवाड़ शिकार एक्ट - 1921 पारित किया।

→ एकीकरण के समय वन विभाग की स्थापना – कोटा

→ राजस्थान वन विभाग की स्थापना – 1949

→ वृक्षारोपण हेतु संदेश देने वाले संत → राजाराम जी

→ पेड़ो वाला बाबा → कालापुरी (खरपैल तिजारा)

→ सिर साटे रूख रहे तो भी सस्तो जाण नारा → जांभो जी

→ खड़ाणा → बिश्नोई समाज मे वनो हेतु बलिदान देना

→ राजस्थान की प्रथम वन नीति → 18/फरवरी/2010

→ राज्य की नवीन वन नीति → 2023

वन रिपोर्ट - 2023 आँकड़ों का प्रकाशन - 21/दिसम्बर/2024

→ वन गणना 2 वर्ष के अन्तराल से केन्द्रीय वन अनुसंधान देहरादून करवाता है।

→ 2023 की गणना क्रम की दृष्टि से 18 वीं वन गणना है।

→ राज्य का भारत मे वनो मे स्थान ⇒ 6

→ राज्य का कुल वन क्षेत्र → 32869 वर्ग किलोमीटर

→ राज्य के भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत वन क्षेत्र → 9.60%

→ राज्य का प्रति व्यक्ति वन क्षेत्र → 0.036 हेक्टेयर

→ राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार → 33.33% या 1/3 भाग पर वन होने अनिवार्य है।

→ राज्य मे प्रादेशिक वन मंडल → 38

→ राज्य मे सर्वाधिक वनों वाले जिले → ① उदयपुर (2766.30 km²)
② अलवर (1198.74 km²)

→ राज्य मे न्यूनतम वनो वाले जिले →
① चुरू (82.73 वर्ग किलो.)
② हनुमानगढ़ (92.21 वर्ग किलो.)

→ राज्य में सर्वाधिक प्रतिशत वनों वाले जिले

① उदयपुर (23.60%)

② प्रतापगढ़ (22.48%)

→ राज्य में न्यूनतम प्रतिशत वनों वाले जिले

① जोधपुर (0.45%)

② चुरू (0.49%)

→ भारत के कुल वनावरण व वृक्षावरण का राज्य में प्रतिशत भाग → 4.87%

→ राज्य में कुल चारागाह भूमि → 4.96%

~~→ [illegible] के अनुसार [illegible] वनों से ढकी हुई [illegible]~~
~~[illegible] कमी हुई~~

2023 की गणना के अनुसार सर्वाधिक वनों में हानि

① सीकर (19.14 Km^2)

② बाड़मेर (19.00 Km^2)

2023 ,, ,, ,, ,, ,, सबसे कमी

① बारां (33.29 Km^2)

② प्रतापगढ़ (30.79 Km^2)

प्रशासनिक दृष्टी से वनो का वर्गीकरण = 3 भागो मे

① **आरक्षित / सुरक्षित वन** :→ पूर्णत प्रतिबंध - लकड़ी व पशुचराई पर
↳ 37.04% (उदयपुर)

② **रक्षित / संरक्षित वन** :→ कुछ छूट (टैक्स देते है)
↳ 56.56% (बारां)

③ **अवर्गीकृत वन** :→ कोई प्रतिबंध नही
↳ 6.40% (बीकानेर)

→ वनो की रक्षा हेतु सर्व प्रथम बलिदान करमा व गोरा नामक व्यक्तियों ने दिया 1604 ई.

→ ये रामासनी | रामासड़ी गाँव जोधपुर के थे।

→ वनो की रक्षा हेतु दूसरा बलिदान 1700 ई. मे पोलावास (नागौर) के बुच्चो जी बिश्नोई ने दिया।

→ खेजड़ी हेतु बलिदान → अमृता देवी बिश्नोई ने 1730 ई. मे खेजड़ली गाँव (जोधपुर) मे 363 लोगो के साथ दिया

इस समय जोधपुर का शासक अभयसिंह था।

Note → खेजड़ली शहीद मेला- भाद्रपद शुक्ल पक्ष की दशमी को।
खेजड़ली गाँव (जोधपुर) में।

→ खेजड़ली दिवस → 12 सितंबर
→ प्रथम बार मनाया गया → 1978 में

→ वनों की संरक्षण क्षेत्र में अमृता देवी बिश्नोई पुरस्कार दिया जाता है।
पुरस्कार की शुरुआत - 1994 में की गई।

→ व्यक्ति को 50 हजार रुपये व संस्था को 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है।

→ खेजड़ली शहीद स्मारक - खेजड़ली गाँव (जोधपुर)
↳ लोकार्पण - जून 2021 (अशोक गहलोत)

राज्य मे वनो के प्रकार = 5

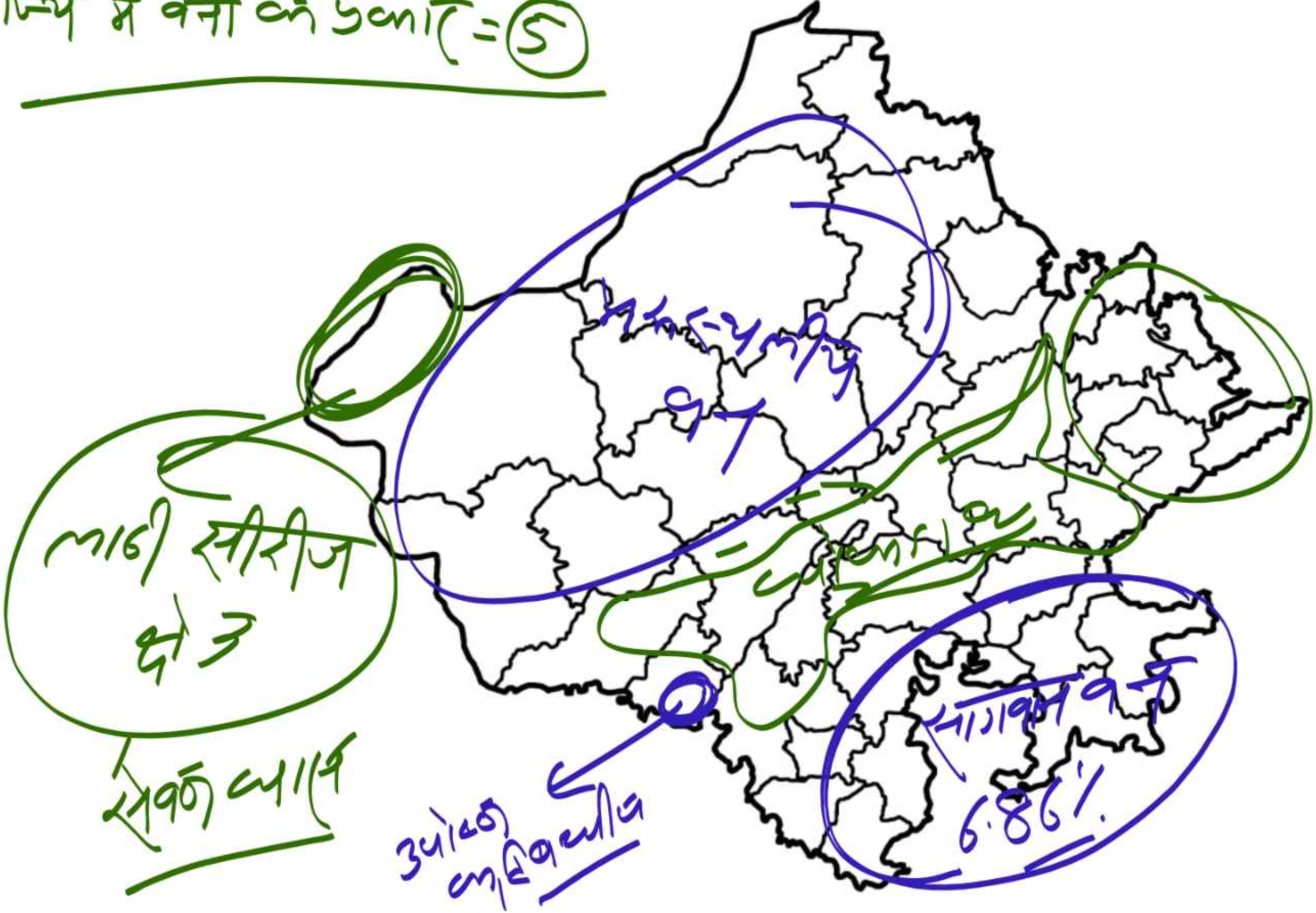

(वनों के प्रकार)

① **शुष्क सागवान के वन** :→ **6.86%**

→ वर्षा → 75-110 सेमी

→ दक्षिणी राजस्थान (बाँसवाड़ा, उदयपुर, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, [illegible])

→ **प्रमुख वन** -

सागवान, बरगद, तेंदू

गूलर, महुआ, आम

ये वन चौड़ी पत्ती के होते है

वर्षभर हरे भरे रहते है

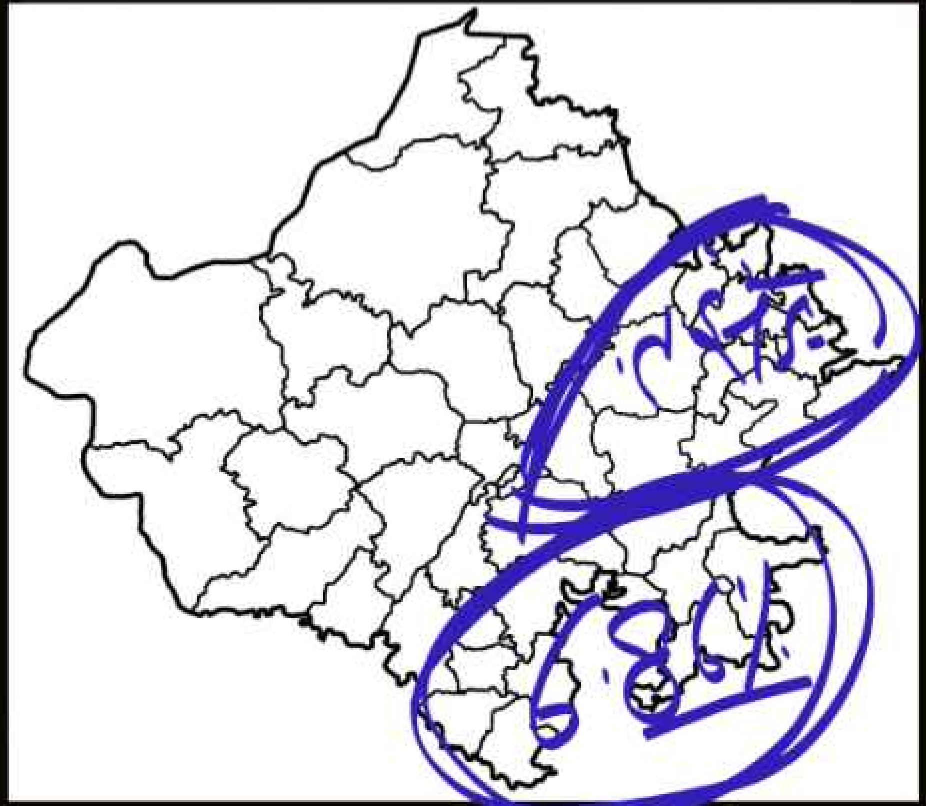

② उष्ण कटिबन्धीय शुष्क मिश्रित पतझड़ वन : (28.38%)

वर्षा - 50-80 सेमी

→ दक्षिणी व दक्षिणी पूर्वी राजस्थान में

→ खैर, टीक, साल, बाँस, आम

③ उष्ण कटिबन्धीय सदाबहार वन (0.39%)

↳ आबू पर्वत के चारोतरफ (वर्षभर हरे भरे रहते हैं)

↳ वर्षा → 150 सेमी (या ज्यादा)

प्रमुख वन → बेल, जामुन, आम, औषधीय वन

(4) शुष्क / मरुस्थलीय वन :→ 6.26%

↳ वर्षा - 0-30 सेमी

→ पश्चिमी राजस्थान में

→ मरुद्भिद वनस्पति इसे कहते हैं

→ वन - खेजड़ी, बबूल, फोग

नोट → लाठी सिरीज क्षेत्र → पोकरण, मोहनगढ़ जैसलमेर में पाक की सीमा के पास का क्षेत्र मीठे पानी की भूगर्भीय जल पट्टी जिसमें सर्वाधिक पशुओं हेतु पौष्टिक घास सेवण होती है।

(5) अर्द्ध शुष्क उष्णकटिबन्धीय धोंक / धोंकड़ा के वन (58.19%)

वर्षा - 30-60 सेमी

जोधपुर, झुंझुनूं, टोंक, सवाई माधोपुर, जालौर, करौली

→ वन - खेजड़ी, रोहिड़ा, धोंक, बैर

नोट - राज्य में सर्वाधिक क्षेत्रफल पर धोंक / धोंकड़ा के वन हैं।

प्रमुख वनस्पति

① **बाँस** :→ आदिवासियों का हरा सोना
→ सबसे लम्बी घास
क्षेत्र → बाँसवाड़ा, उदयपुर, कोटा, झालावाड़ (दक्षिणी राजस्थान)

② **महुआ** :→ आदिवासियों का कल्प वृक्ष
→ भीलों द्वारा इस से मावड़ी शराब बनाई जाती है।
→ उदयपुर, डूँगरपुर, सिरोही

③ **तेन्दू** :→ आदिवासियों का टिमरू वृक्ष

(नोट → महुआ तहसील दौसा मे पीतल के अच्छे बर्तनों हेतु प्रसिद्ध है।)

③ तेन्दु :→
- आदिवासी इसे टिमरू कहते हैं।
- → तेन्दु का राष्ट्रीयकरण – 1974
- → वृक्ष – हाड़ौती क्षेत्र में।
- → उपयोग → बिड़ी बनाने हेतु
- → Note → राज्य मे मयूर छाप, बिड़ी बनती है (टोंक)

④ खैर वृक्ष :→
- कथौड़ी जन जाति इससे कत्था तैयार करती है।
- → वृक्ष → दक्षिणी राजस्थान

सालर वृक्ष :→ डिब्बा बनाने हेतु (समान पैकिंग हेतु)
↳ राजसमंद, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा

हींग → प्रतापगढ़

गोंद → चौहटन (बाड़मेर)

ढाक/पलास :→ राजसमंद, उदयपुर, डूँगरपुर

नोट :→ पलास को जंगल की ज्वाला कहते हैं
↳ वैज्ञानिक नाम → ब्यूटिया मोनोस्पर्मा

पंच कुटा : → पश्चिमी राजस्थान की प्रसिद्ध सब्जी
- → कैर, सांगरी, काचर, कुमट, गुंदा को मिलाकर बनाई सब्जी

नोट- **पंच कुण्ड** → (अजमेर) → राज्य की प्राचीन पौधशाला (नर्सरी)

खस घास : → सुगंधित घास
- → उपयोग → इत्र व शरबत
- → भरतपुर, सवाई माधोपुर, टोंक

मोपेन घास → जिम्बाब्वे की

धूर → पश्चिमी राज्य मे पायी जाती है
→ सुगंधित घास

→ अरड़, करड़, अंजन, धामण, मौध, भरूट, गाँठड़ी, बुई, खींप, सेवण → पश्चिमी राजस्थान मे घास

→ डाब → घास, सूर्य ग्रहण व चन्द्र ग्रहण मे उपयोग लेते है

→ कॉंग्रेस घास → गेहूँ मे खरपतवार

→ धामण → घास पश्चिमी राजस्थान

→ रोहिड़ा : →

उपनाम → मारवाड़ का टीक, मरुस्थल का सागवान, मरु शोभा

राज्य पुष्प का दर्जा → 31/oct/1983

वैज्ञानिक नाम → टिकोमेला अंडूलेटा

सर्वाधिक वृक्ष → पश्चिमी राजस्थान

पुष्प का रंग → गहरा केसरिया / गैरू पत्पा जैसा

पुष्प → मार्च अप्रैल के माह मे खिलते है

नुकसान → जरविल चूहा

रोहिड़ा

खेजड़ी → राजस्थान का राज्य वृक्ष

- → राज्य वृक्ष का दर्जा → 31/oct/1983
- → उपनाम → राज. का गौरव, राजस्थान का कल्प वृक्ष, भारतीय महा मरुस्थल का सुनहरा वृक्ष
- → वैज्ञानिक नाम → प्रोसोपिस सिनेरेरिया

अन्य नाम

हरियाणवी, पंजाबी → जांटी/जंटी

तमिल → पेयमय

कन्नड़ → बन्ना बन्नी

सिन्धी → ढोलड़ा

काली → शाईजाद

बिश्नोई → रामी

स्थानीय भाषा → शिमलो

→ हरी फली → सांगरी

→ सूखी फली → खोखा

→ चारा → लूंग/लूंम

→ प्राचीन वृक्ष → मांगलीया वास (अजमेर)

नोट → मांगलीया वास मे हरियाली अमावस्या (श्रावण अमावस्या) को
कल्प वृक्ष मेला लगता है।

→ खेजड़ी वृक्ष की पुजा → विजय दशमी / दशहरा पर्व पर करते है।
नोट → विजय दशमी को नीलकंठ पक्षी के दर्शन शुभ माने जाते है।

खेजड़ी वृक्ष के पुष्प → मींझर
डाक टिकट → 5/जून/1988 (60 पैसे)
ऑपरेशन खेजड़ा अभियान → 1991
खेजड़ी को नुकसान → सलेस्ट्रोना व ग्लाईकोट्रमा नामक कीड़ा।

प्रमुख तथ्य

① राजस्थान का राज्य पक्षी :→ गोडावण

→ दर्जा → 21/मई/1981

वैज्ञानिक नाम → कायोटिस नाइग्रीसेप्स

उपनाम → सोहन चिड़ी, हूकना, मालमोरड़ी, शर्मिला पक्षी

सर्वाधिक → राष्ट्रीय मरु उद्यान, सोंकलिया (अजमेर) सोरसन (बारां)

अंग्रेजी मे → ग्रेट इण्डियन बस्टर्ड

प्रिय भोजन → मूँगफली, तारामीरा

मूलत पक्षी → अफ्रीका

प्रजनन केन्द्र → जोधपुर जन्तुआलय

गोडावण संरक्षण अभियान → 2012

↳ ध्येयवाक्य → मेरी उड़ान ना रोको।

डाक टिकट → 1980

राज्य पक्षी का दर्जा → 21/मई/1981

वीणा

राजस्थान का राज्य पशु

① चिंकारा (जंगली श्रेणी का)

दर्जा → 1981

वैज्ञानिक नाम → गजेला गजेला

उपनाम → छोटा हिरण

② राज्य पशु ऊँट (पालतू श्रेणी)

↳ वैज्ञानिक नाम → कैमलस ड्रोमोडेरियस

2012 - की पशु गणना के अनुसार राज्य में ऊँट - 3.26 लाख
2019 " " " " " " " " - 2.13 लाख

2012-19 के मध्य कमी → 34.69%

नोट पूरे भारत के 84.43% ऊँट राजस्थान में।

राज्य खेल : " बास्केट बॉल

वर्ष → 1948

खिलाड़ी → 5

राजस्थान का राज्य नृत्य : → घूमर

उपनाम → राजस्थान की आत्मा, सामंतशाही नृत्य, रजवाड़ी नृत्य

सर्वाधिक → गणगौर पर्व पर करते है।

नृत्य के दौरान धीमी आवाज मे 8 शब्द बोले जाते है।

(धीनकातिनक धीना)

↳ इन शब्दों को सवाई कहते है।

यह नृत्य जालंधर सारंग पर होता है।

राजस्थान का राज्य गीत :→

केसरिया बालम

सर्व प्रथम गाया → मांगी बाई ने

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति → अल्ला जिलाह बाई

मास्को (रूस) मे गाया था।

राज्य का शास्त्रीय नृत्य

कत्थक

हिन्दू शैली का प्रतिनिधित्व करने वाला नृत्य

प्रमुख घराना - जयपुर

प्रवर्तक → भानु जी महाराज

राजस्थान की राजधानी

जयपुर

जयपुर के संस्थापक → सवाई जयसिंह
नींव → प. जगन्नाथ
वास्तुकार → विद्याधर भट्टाचार्य
राजधानी → 30/मार्च/1949 (एकीकरण के चौथे चरण मे)
जयपुर के बारे मे जानकारी का स्रोत → बुध्द विलास ग्रंथ
→ बख्तराम चाकुस
चाकुस जयपुर का निवासी

राजस्थान की जनगणना (2011)

→ लोगो → प्रगणक शिक्षिका

- जनगणना संविधान की संघ सूची का विषय है।
- भारत में प्रथम जनगणना 1872 (लॉर्ड मेयो)
- व्यवस्थित रूप से जनगणना 1881 (लॉर्ड रिपन) → जनगणना का जनक
- स्वतंत्र भारत की प्रथम जनगणना-1951
- राज्य में जनगणना अधिनियम 1948 में लागू हुआ।
- भारतीय संविधान की अनुसूची 7 के क्रम संख्या 69 में जनगणना वर्णित की गई है।
- नवीन जनगणना-2011
- यह क्रम की दृष्टि से 15वीं व स्वतंत्र भारत की 7वीं जनगणना है।

जनगणना 2011 का ध्येय वाक्य → हमारी जनगणना हमारा भविष्य

	राजस्थान	भारत
कुल जनसंख्या	68548437 6.86 करोड़	1210854977 (121 करोड़)
घनत्व	200	382
लिंगानुपात	928	943
दशकीय वृद्धि दर (2001-2011)	21.31%	17.7%
साक्षरता	66.1%	73%
पुरुष साक्षरता	79.2%	80.9%
महिला साक्षरता	52.1%	64.6%

नोट :- पूरे भारत की 5. 66% जनसंख्या राजस्थान में निवास करती है।

2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का जनसंख्या में 8 वां स्थान व 2 जून, 2014 को आंध्रप्रदेश से तेलंगाना अलग होने के बाद राजस्थान का जनसंख्या में 7 वां स्थान हो गया।

सर्वाधिक व न्यूनतम जनसंख्या

सर्वाधिक	न्यूनतम
जयपुर (9.67%)	जैसलमेर (0.98%)
जोधपुर	प्रतापगढ़
अलवर	सिरोही

सर्वाधिक व न्यूनतम पुरूष/महिला

राज्य के जयपुर, अलवर जिले में सर्वाधिक पुरूष व जैसलमेर, प्रतापगढ़ में न्यूनतम पुरूष निवास करते हैं। राज्य के जयपुर, जोधपुर जिले में सर्वाधिक महिला व जैसलमेर, प्रतापगढ़ में न्यूनतम महिला निवासी करती है।

दशकीय वृद्धि दर (21.31%)

सर्वाधिक	न्यूनतम
बाड़मेर (32.5%)	गंगानगर (10%)
जैसलमेर (31.8%)	झुंझुनूं (11.7%)
जोधपुर (27.7%)	पाली (11.9%)

घनत्व (200)

सर्वाधिक	न्यूनतम
जयपुर (595)	जैसलमेर (17)
भरतपुर (503)	बीकानेर (78)
दौसा (476)	बाड़मेर (92)

नोट :- राज्य के जैसलमेर, बीकानेर व बाड़मेर तीन जिले ऐसे हैं, जिनका जनसंख्या घनत्व 100 से कम है।

लिंगानुपात (928)

सर्वाधिक	न्यूनतम
डूँगरपुर (994)	धौलपुर (846)
राजसंमद (990)	जैसलमेर (852)
पाली (987)	करौली (861)

ग्रामीण लिंगानुपात (933)

सर्वाधिक	न्यूनतम
पाली (1003)	धौलपुर (841)

शहरी लिंगानुपात (914)

सर्वाधिक	न्यूनतम
टोंक (985)	जैसममेर (807)

- ❖ राज्य में 0-6 वर्ष तक के बच्चों की जनसंख्या कुल आबादी का 15.54 प्रतिशत है।
- ❖ 0-6 वर्ष आयु का लिंगानुपात 888 है।

राज्य की साक्षरता (66.1%)

सर्वाधिक	न्यूनतम
कोटा (76.6%)	जालौर (54.9%)
जयपुर (75.5%)	सिरोही (55.3%)
झुंझुनूं (74.1%)	प्रतापगढ़ (56%)

पुरूष साक्षरता (79.2%)

सर्वाधिक	न्यूनतम
झुंझुनूं (86.9%)	प्रतापगढ़ (69.5%)
कोटा (86.3%)	बांसवाड़ा (69.5%)
जयपुर (86.1%)	सिरोही (71%)

महिला साक्षरता (52.1%)

सर्वाधिक	न्यूनतम
कोटा (65.9%)	जालौर (38.5)
जयपुर (64%)	सिरोही (39.7%)
झुंझुनूं	जैसलमेर

राज्य में अनुसूचित जाति (S.C.)

- कुल जनसंख्या का 17.82% है।
- सर्वाधिक जयपुर
- न्यूनतम डूँगरपुर
- सर्वाधिक S.C. का प्रतिशत श्रीगंगानगर
- न्यूनतम S.C. का प्रतिशत डूँगरपुर
- लिंगानुपात 923
- सर्वाधिक राजसमन्द (982)
- न्यूनतम धौलपुर (863)

राज्य में अनुसूचित जनजाति (S.T.)

- कुल जनसंख्या का 13.47% है।
- सर्वाधिक उदयपुर
- न्यूनतम बीकानेर
- सर्वाधिक S.T. का प्रतिशत बांसवाड़ा
- न्यूनतम S.T. का प्रतिशत नागौर
- लिंगानुपात 948
- सर्वाधिक डूँगरपुर (1000)
- न्यूनतम धौलपुर (842)

जनगणना से संबंधित प्रमुख तथ्य :-

- सम्पूर्ण राजस्थान की दशकीय वृद्धि दर 21.31% है, जबकि राजस्थान के 16 जिले ऐसे हैं, जिनकी दशकीय वृद्धि दर 21.31% से अधिक है।
- राजस्थान का लिंगानुपात 928 है, जबकि राजस्थान के 18 जिलों का लिंगानुपात 928 से अधिक है।
- राज्य की कुल साक्षरता 66.1% है, जबकि राजस्थान के 14 जिलों की साक्षरता 66.1% से अधिक है।
- राजस्थान की पुरूष साक्षरता 79.2% है, जबकि राज्य के 12 जिलों की पुरूष साक्षरता 79.2% से अधिक है।
- राजस्थान की महिला साक्षरता 52.1% है, जबकि राज्य के 12 जिलों की साक्षरता 52.1% से अधिक है।